



VARIOUS READINGS.

CHAPTER I.

1. A प्रसुति वि०.—A सदृशशतमयू०.—2. D रचनीभिर्.—4. यदि om. in A, B, C (text and commentary). A, S, B, N कृतेः, C gives and explains both rr.—5. A, D, B आलक्ष्य.—8. S अत्र महान्.—9. B, D, S, E होराख्यो, N होराशास्त्रवि०.—S, विनश्यत्.—10. S, E, N, and one Cod. of C विस्तरश्च.—The title of this Chapter in A, B, D is: इत्याचार्यश्रीवराहमिहिरस्य कृतौ संहितायामुपनयनाध्यायः प्रथमः, in S इति श्रीव०, in N इत्याचार्यवराहमिहिर (sic) शास्त्रोपनयनं नामाध्यायः प्रथमः, in C इति भट्टोत्पलरचितायां संहितायामुपनयनाध्यायः प्रथमः; at the end of other Chapters occurs बृहत्संहितायाम्, which, as being the most appropriate title, I have employed throughout.

CHAPTER II.

Page 3, line 11 from the top: A, C, B, D, E अननुसूयकः, S, N अनुसूयकः, which I have changed into अनुसूयकः.—A सुसंहित.—Line 15: D, S, E प्रतिभावान्, so N sec. manu.—Line 16: N, and one Cod. of C परिषद्.—Line 18: S, E पौष्टिकविद्याभिचारकुशलः स्नानविद्याभिज्ञो, N पौष्टिकपराभिचारज्ञः स्नानविद्याभिज्ञो, D स्नानविधिविद्याभिज्ञो.—Line 19: ज्ञान om. in and C, A, B, D.—S, E, प्रष्टा० for शृष्टा०.—Page 4, line 1: S, E रोम without क.—S, N वाग्निष्ट.—All but C, N सौर्य.—Line 2: पंचसु om. in S, E.—Line 3: S, E प्रमाण for प्राण.—C in his text: त्रुटिबुद्ध्याद्यवयवस्य, like E, but from his explanation it seems to result that he meant, त्रुटिबुद्ध्याद्यवयवाद्यस्य, like S.—Line 4: A मासानानां.—Line 7: C, B, N वेद for विवेद.—A, S, N मासानां.—Line 9: C, N लेखा for रेखा.—Line 10: जल om. in C, N.—Line 13: C, N वर्णदेशानां